राजा महेंद्र प्रताप सिंह जयंती

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दूरदर्शी राष्ट्रवादी **राजा महेंद्र प्रताप सिंह (1886-1979) की 138वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।**

//

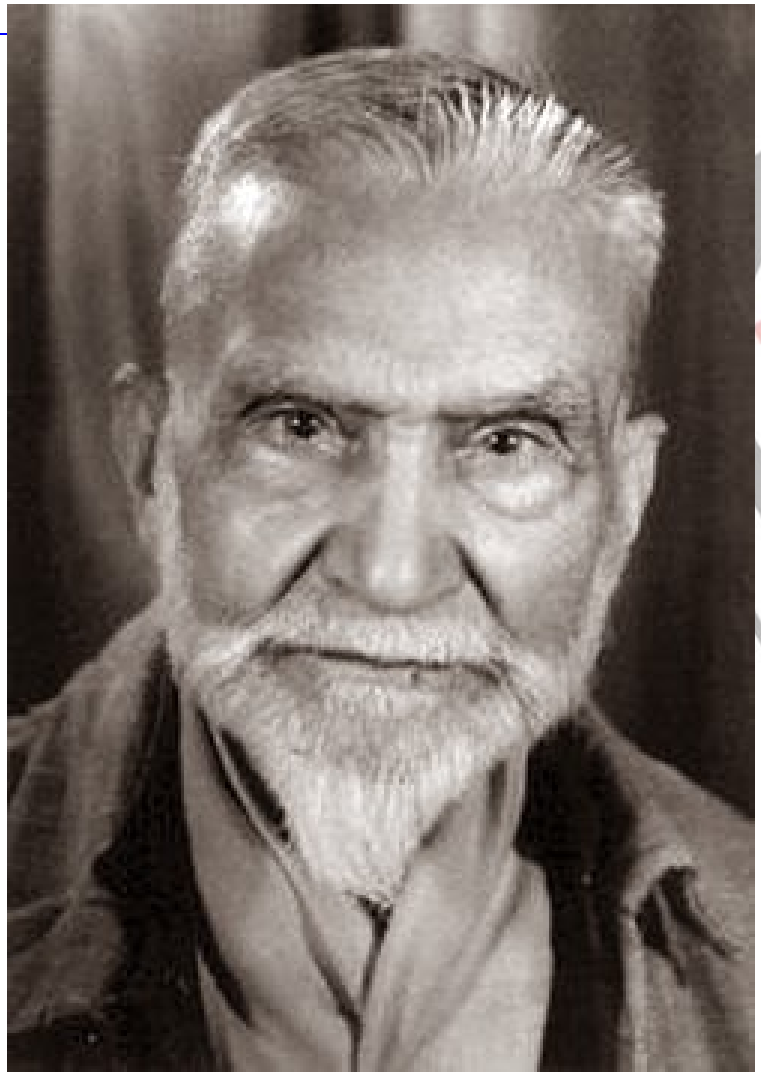

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - राजा महेंद्र प्रताप सिंह का **जन्म 1 दिसंबर, 1886 को हाथरस, उत्तर प्रदेश में हुआ था।**
  - वह एक **स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी, लेखक** और **समाज सुधारक थे।**
  - उन्होंने 1909 में उत्तर प्रदेश के वृंदावन में एक तकनीकी संस्थान, **प्रेम महाविद्यालय की स्थापना की।**
- **स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान:**

- महेंद्र प्रताप ने **1906 में कोलकाता में हुए कॉन्ग्रेस अधिवेशन** में सक्रिय रूप से भाग लिया, **स्वदेशी आंदोलन** का समर्थन किया और स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय कारीगरों का समर्थन किया।
- महेंद्र प्रताप भारत के स्वतंत्रता संग्राम में गहराई से शामिल थे। **1915 में, प्रथम विश्व युद्ध के दौरान,** उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का विरोध करते हुए, **काबुल, अफगानिस्तान** में **भारत की पहली अनंतिम सरकार की घोषणा की,** जिसके अध्यक्ष वे स्वयं थे।
  - उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिये **जर्मनी, जापान और रूस** जैसे देशों से समर्थन मांगा।
  - **कहा जाता है कि बोल्शेविक क्रांति के** दो वर्ष बाद **1919 में** उनकी मुलाकात व्लादिमीर लेनिन से हुई थी।
- उन्होंने **द्वितीय विश्व युद्ध** के दौरान 1940 में **जापान में भारत के कार्यकारी बोर्ड का** भी गठन किया था।

- **अंतर्राष्ट्रीयवादी एवं शांति समर्थक:**
  - महेंद्र प्रताप को शांति के लिये वैश्विक वकालत और **भारत और अफगानिस्तान में ब्रिटिश अत्याचारों को उजागर करने के उनके प्रयासों के लिये 1932 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया था।**
  - 1929 में महेंद्र प्रताप ने **बर्लिन में विश्व महासंघ की स्थापना की, जिसने बाद में संयुक्त राष्ट्र** के निर्माण को प्रभावित किया।
  - **राजनीतिक कैरियर:**
    - स्वतंत्रता के बाद, उन्होंने पंचायती राज के विचार को बढ़ावा देने के लिये कड़ी मेहनत की और **मथुरा (1957)** से **संसद सदस्य** के रूप में कार्य किया।
- **मृत्यु:**
  - **29 अप्रैल, 1979** को उनकी मृत्यु हो गई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/raja-mahendra-pratap-singh-birth-anniversary